जुगनू

जोआन राइडर

चित्र: डॉन बोलोग्नीस



"यह गर्मी के मौसम की एक गर्म शाम है. जुगनू धीरे-धीरे पूरे मैदान में उड़ना शुरू करता है. वह चमकना शुरू करता है. उसका प्रकाश एक संकेत है."

इस रमणीय पुस्तक में, युवा पाठक जुगनू के जीवन के बारे में जानेंगे - जुगनू के जन्म से वयस्क होने के बाद उसके अंतिम दिनों तक. वे उसके द्वारा खाए जाने वाले भोजन, उसके दुश्मनों और उसकी चमक के अर्थ के बारे में जानेंगे.

सुंदर चित्र जुगनू की दुनिया को उसके सभी आकर्षक विवरणों में दिखाते हैं.

जुगनू



जोआन राइडर

चित्र: डॉन बोलोग्नीस



अंधेरे मैदान में,

दो पीली रोशनी चमकती है.

एक नर बीटल लार्वा चल रहा है.

वह एक छोटे कीड़े जैसा दिखता है.

लेकिन उसके पेट के सिरे के नीचे

एक छोटी रोशनी है.

उसे जुगनू कहते हैं.



जुगनू ढीली, गीली धरती में

अपना बिल बनाता है.

वह भोजन की तलाश कर रहा है.

अंधेरे में वह अपने एंटीना

से रास्ता टटोलता है.

उसके एंटीना घास की

पतली जड़ों को छूते हैं.

जुगनू उसके पास से निकल जाता है.

वह जड़ों को नहीं खाता.

वह पौधे नहीं खाता.

जुगनू के नीचे कुछ
ढीली मिट्टी गिरती है
और वह एक बड़े की
सुरंग में गिर जाता है.
उस पर मिट्टी के टुकड़े गिरते हैं.
लेकिन वह अपना सिर
अपनी कठोर पीठ के नीचे
खींच लेता है.

उसे चोट नहीं लगती.
सुरंग के फर्श पर उसके
एंटीना हल्के से हिलते हैं.
उन्हें फर्श हिलता हुआ
महसूस होता है.
एक छछूंदर आ रहा है.



जुगनू एक छोटी सुरंग ढूँढता है

और उसके अंदर रेंगता है.

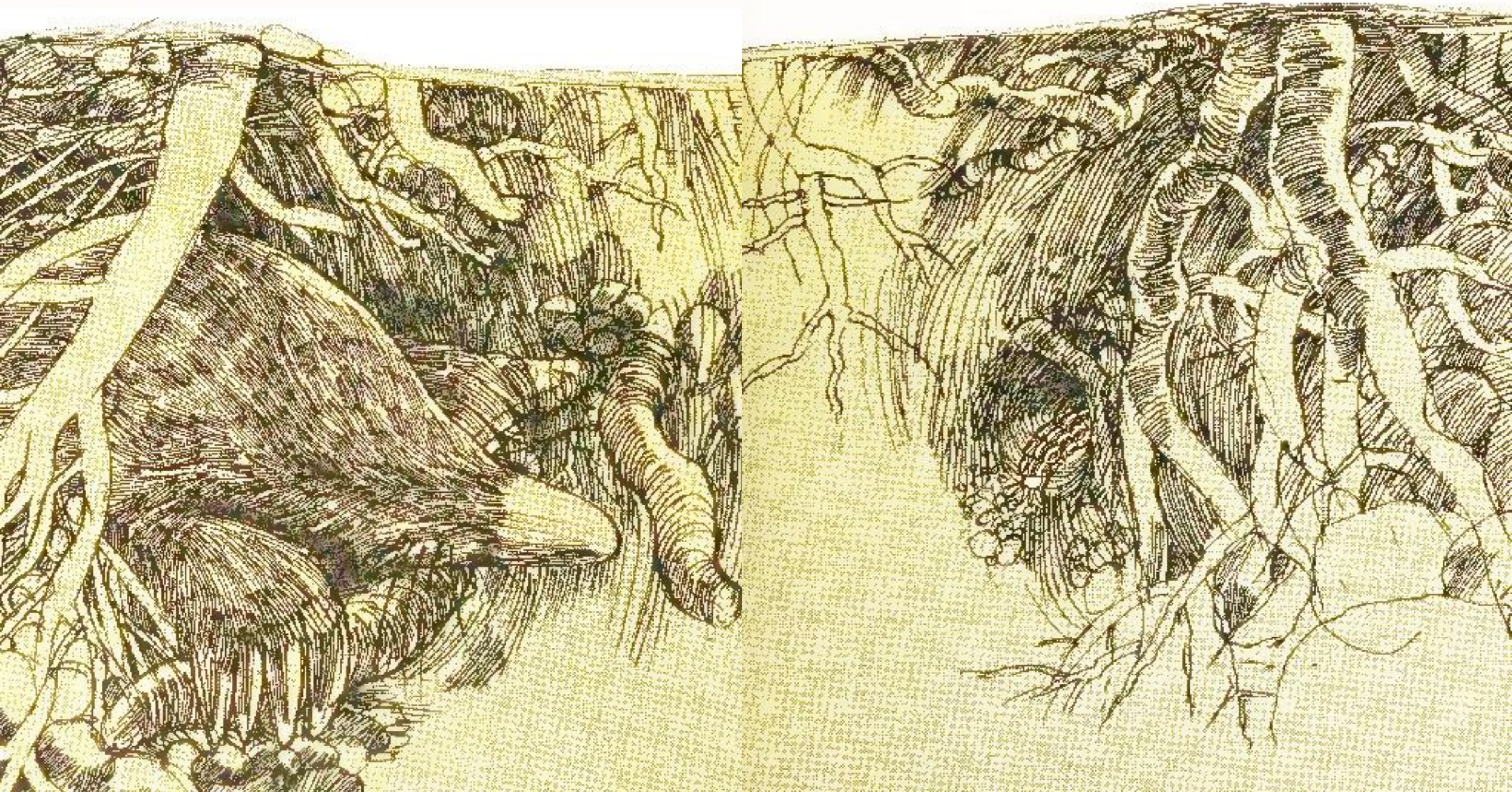
छछूंदर पास ही है.

वह सूँघता है.

उसे कुछ केंचुओं की गंध आती है,

वह रुकता है और उन्हें खाता है.

तब तक जुगनू रेंगकर चला जाता है.



जुगनू के एंटीना किसी चिकनी,

और जीवित चीज़ को छूता है.

यह एक छोटा केंचुआ है.

एक अन्य जुगनू भी उसे खाना चाहता है.

केंचुआ भागने की कोशिश करता है,

लेकिन जुगनू अपने मजबूत

जबड़े से उसे काट लेते हैं.

वे बार-बार काटते हैं.

हर बार काटने पर वे

केंचुए के शरीर में ज़हर भेजते हैं.

जल्द ही केंचुआ हिल नहीं पाता है.

ज़हर, केंचुए के कोमल शरीर को

और भी नरम बना देता है.

फिर जुगनू उसे खा सकते हैं.





जुगनू एक पूर्ण विकसित लार्वा है.

वह लगभग दो साल से

ज़मीन के नीचे रह रहा है.

जब भी वह बड़ा होता है,

तो उसकी एक नई,

बड़ी त्वचा विकसित होती है

और उसकी पुरानी,

कसी हुई त्वचा उतर जाती है.

वसंत के अंत में,

जुगनू ज़मीन में थोड़ा

और गहराई में चला जाता है.

कुछ दिनों में,

वह फिर से अपनी

त्वचा उतार देता है.



अब वह प्यूपा है.

वह पीला पड़ गया है.



उसके पंख और पैर कमज़ोर हैं.

जब वह आराम करता है,

तो उसका शरीर

धीरे-धीरे चमकता है.

लगभग दस दिन बाद,

उसकी त्वचा फट जाती है.



फिर एक वयस्क भृंग

(बीटल) रेंगता हुआ

बाहर निकलता है.

अब वह जुगनू बन गया है.



जुगनू जमीन के नीचे

नहीं रह सकता.

वह हवा में रेंगता है.

रात हो चुकी है.

अब बहुत देर हो चुकी है

जुगनू के चमकने के लिए.

और साथ में बारिश भी हो रही है.

आज रात वह नहीं उड़ेगा.

जुगनू एक सूखी शाखा के नीचे

आराम करता है.

उसके नए, लंबे एंटीना गीले हो जाते हैं.

वह उन्हें अपने पैरों से पोंछता है.

वह अपना सिर अपनी पीठ पर

ढाल के नीचे छिपाता है.



गहरे पंखों का आवरण

उसके पंखों और पेट की

रक्षा करता है.

उसके पेट का एक बड़ा हिस्सा

हल्का पीला है.

इसमें रसायन होते हैं

जो प्रकाश उत्पन्न करते हैं.

यह एक ठंडी रोशनी है,

एक ऐसी रोशनी जो जलती नहीं है.

जुगनू अपनी रोशनी को

नियंत्रित कर सकता है.

वह चमक सकता है

या नहीं चमक सकता है.

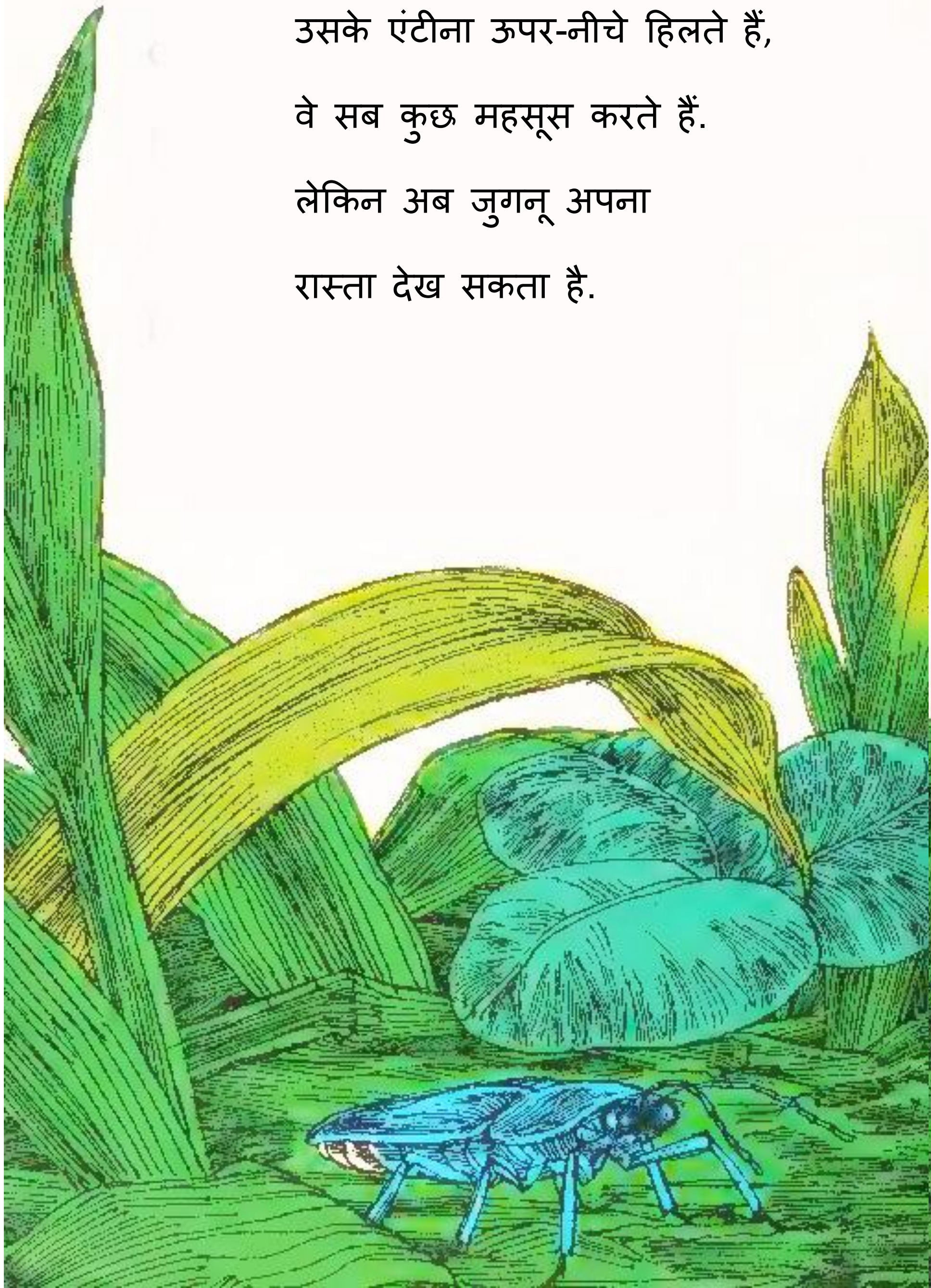
भोर में, जुगनू घास में रेंगता है.

उसके एंटीना ऊपर-नीचे हिलते हैं,

वे सब कुछ महसूस करते हैं.

लेकिन अब जुगनू अपना

रास्ता देख सकता है.



उसकी नई, बड़ी आँखें

चमकीले रंग और रोशनी देखती हैं.

जुगनू को कुछ हिलता हुआ दिखता है.

यह एक केंचुआ है.

अब वह कीड़े को साफ-साफ देख सकता है.

लेकिन वह मुड़ता है

और रेंगता हुआ दूर चला जाता है.

वह भोजन की तलाश में नहीं है.

शायद वह अब और नहीं खाएगा.







जुगनू घास के एक तने पर चढ़ता है.

वह उड़ने के लिए तैयार है.

पहले वह अपने पंख खोलता है.

फिर उन्हें फैलाता है

और झाड़ियों में उड़ जाता है.

दिन के दौरान,

जुगनू छिप जाता है.

झाड़ी के नीचे

एक मेंढक उछलता है.

ज़िप ज़िप ...

मेंढक अपनी लंबी जीभ से

एक पतंगे को पकड़ता है.

लेकिन वह जुगनू को

नहीं देखता है.







गर्मियों की एक गर्म शाम है.

आसमान काला हो जाता है.

सूर्यास्त के तुरंत बाद,

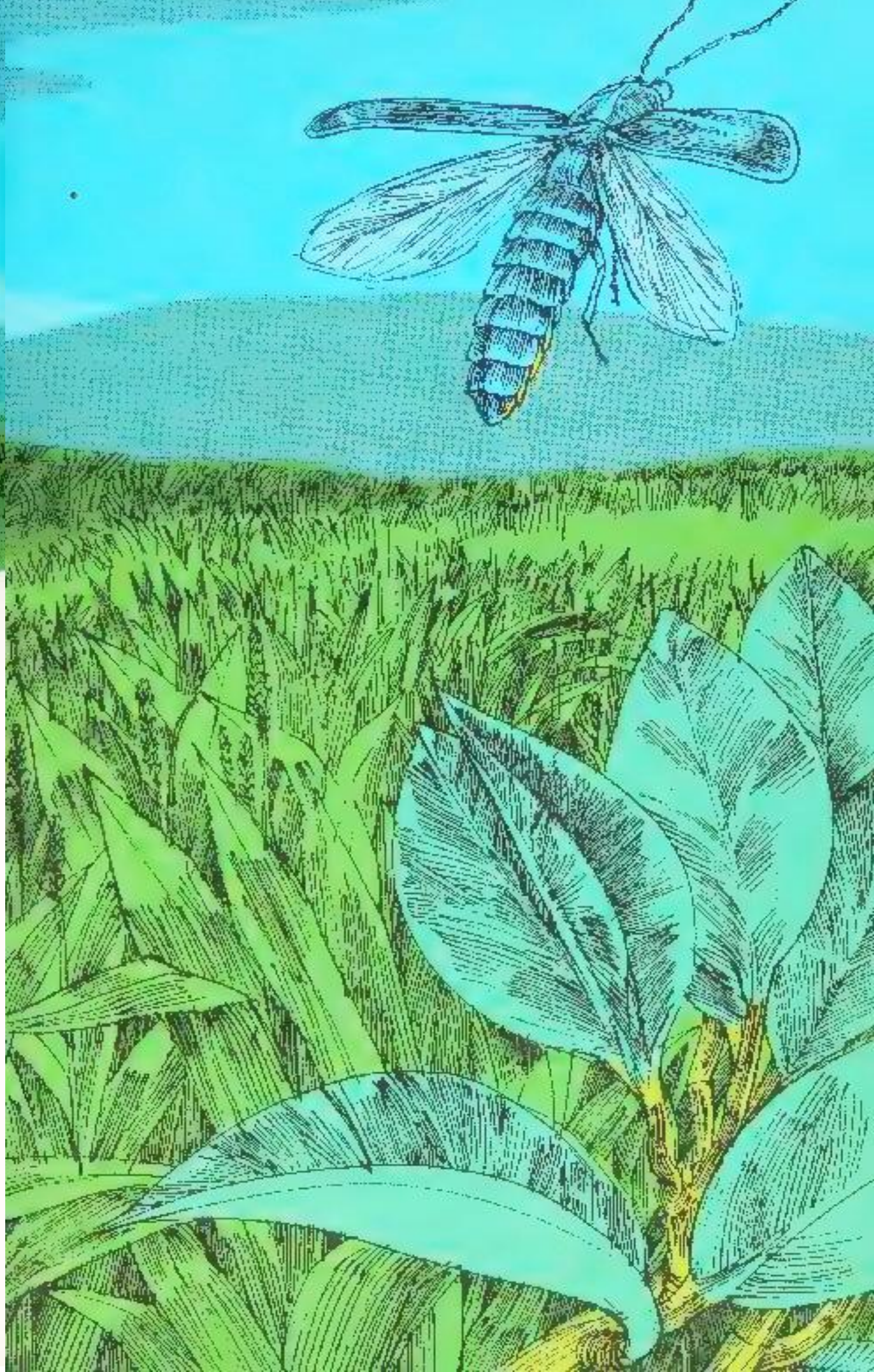
जुगनू रेंगता हुआ

बाहर निकलता है.

वह धीरे-धीरे मैदान में

उड़ना शुरू करता है.

वह चमकना शुरू कर देता है.





अपनी रोशनी चमकाते समय

जुगनू नीचे की ओर झुकता है,

फिर ऊपर की ओर.

उसकी चमक सिर्फ आधे सेकंड

तक रहती है.

यह एक चमकीले पीले रंग के

J की तरह दिखता है.



प्रकाश एक संकेत होता है.

प्रत्येक प्रकार का जुगनू

अपने विशेष तरीके से उड़ता है

और अपना संकेत चमकाता है.

जल्द ही और जुगनू चमकने लगते हैं.





कुछ उस जुगनू की तरह ही झुकते हैं.

वे उसकी तरह ही,

अपने पीले रंग का J चमकाते हैं.

अन्य जुगनू बहुत नीचे उड़ते हैं.

वे अन्य किस्म के हैं.

वे एक स्थान पर रुकते हैं

और एक बहुत छोटी रोशनी चमकाते हैं.

उनकी चमक एक छोटी

चमकीली गेंद की तरह दिखती है.

मैदान के ऊपर चमकने वाले

सभी जुगनू नर हैं.

वे संकेत भेज रहे हैं,

लेकिन एक-दूसरे को नहीं.



घास में मादा जुगनू हैं.

वे चमकती रोशनी देखती हैं

और घास के तनों पर चढ़ जाती हैं.

वे तब तक प्रतीक्षा करती हैं

जब तक कि उन्हें अपनी प्रजाति के

किसी नर से सही संकेत न मिल जाए.

फिर वे भी चमकती हैं.



मादा जुगनू चमकती है.

और नीचे उड़ने वाला नर भी चमकता है.

नीचे, एक मादा तुरंत चमकती है.

उसका छोटा संकेत बहुत जल्दी आता है.

गलत उत्तर मिलने से जुगनू उड़ जाता है.

लेकिन नीचे उड़ने वाला नर

फिर से चमकता है.

मादा भी जल्दी से चमकती है.

यह उसके लिए सही उत्तर है.

वे एक ही तरह के जुगनू हैं.

वे संभोग करेंगे.



नर जुगनियों के समूह

एक साथ डुबकी लगाते हैं.

नर जुगनू उन्हें चमकते हुए देखता है.

वह भी उनके साथ चमकता है.

घास में एक मादा है.

लेकिन दूसरा नर

पहले ही उसके पास पहुँच जाता है.





जुगनू एक घर के पास से उड़ता है.

वह एक नर जुगनू को मकड़ी के

जाल में फंसा हुआ देखता है.

छोटी मकड़ी

जुगनू के पैरों को काट रही है.

उसका काटना जहरीला है.

फंसा हुआ जुगनू

अब अपनी रोशनी को

नियंत्रित नहीं कर पाता है.

वह बिना रुके लगातार

चमकता रहता है.

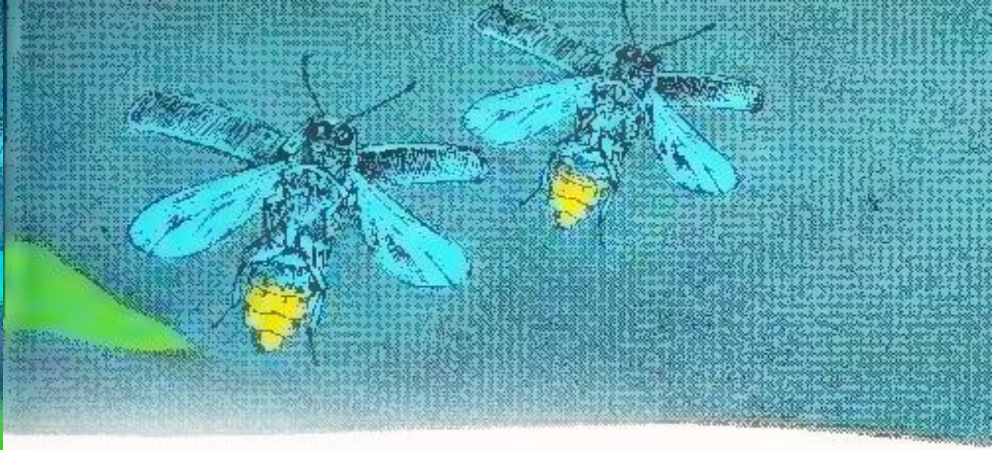


एक लड़की जुगनू को
उड़ते हुए देखती है.
शाम के अंधेरे में उड़ते समय
उसे देखना मुश्किल होता है.
लेकिन जब वह चमकता है,
तो वह उसे पकड़ लेती है.



मादा को लगता है
कि उसका एंटीना
उसकी हथेली को छू रहा है.
वह देखती है कि उसकी चमक
उसकी उंगलियों को रोशन कर रही है.
लेकिन उसकी ठंडी रोशनी
उसे जलाती नहीं है.
जुगनू जल्दी से
उसकी उंगली के
सिरे तक रेंगता है
और उड़ जाता है.





अंधेरा हो रहा है
और हवा चलने लगी है.
जुगनू नए जुगनुओं को
चमकते हुए देखता है.
वे कुछ अलग तरह के हैं.
वे शाम के अंधेरे में उड़ना शुरू करते हैं
और अंधेरा होने के काफी देर
बाद तक चमकते रहते हैं.
वे कई शुरुआती उड़ने वाले
जुगनुओं से बड़े हैं
और उनकी रोशनी हरी है.

जुगनू गोता लगाता है और चमकता है.

उसी तरह का एक और नर

भी गोता लगाता है और चमकता है.

नीचे, एक मादा अपना उत्तर चमकाती है.

यह सही संकेत है.

दोनों नर करीब उड़ते हैं.



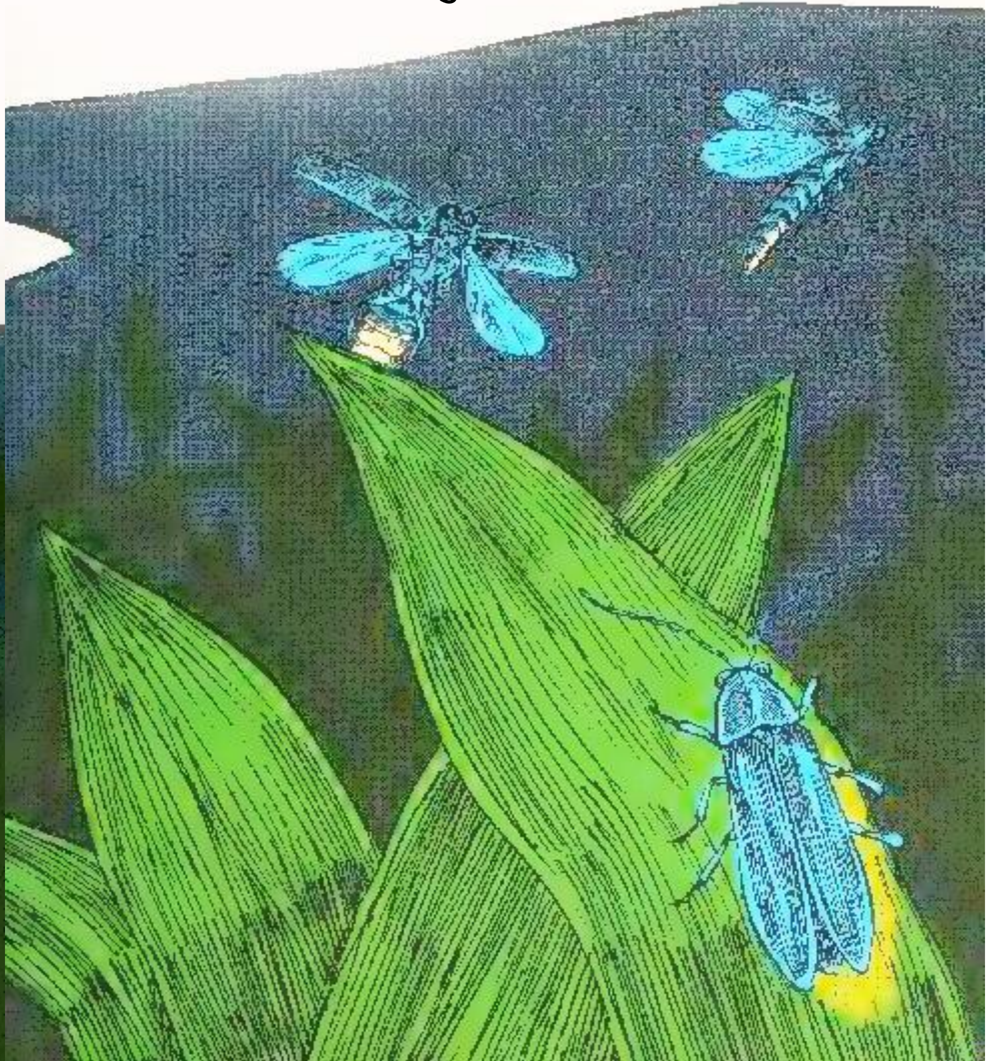
लेकिन हवा का झोंका

जुगनू को पकड़ लेता है

और उसे वापस उड़ा देता है.

दूसरा नर उससे पहले

मादा के पास पहुँचता है.







लेकिन उस नर ने उसे धोखा दिया है.

वह उसके साथ संभोग नहीं करेगी.

वह एक हरा चमकता हुआ जुगनू है.

वह दूसरी मादाओं की नकल कर सकती है.

वह उनके संकेतों को चमका सकती है.

इसलिए जब वो नर आता है,

तो वह उसे खा जाती है.

रात में अभी भी कुछ चमकीली

पीली रोशनियाँ चमकती हैं.

कुछ जल्दी उड़ने वाले जुगनू

संभोग कर चुके हैं.

अन्य आराम कर रहे हैं.

वे फिर से चमकेंगे.

एक और गर्म शाम.

जुगनू अभी भी चमक रहा है.

लेकिन घास अंधेरी है.

वह आगे बढ़ता है

और फिर से कोशिश करता है.



घास में एक रोशनी है!

वह लंबी एकल चमक देखता है,

दो सेकंड बाद,

फिर से चमक देखता है.

मादा फिर से चमकती है.

यह सही संकेत है



वह मादा के पास

उतरने की कोशिश करता है,

लेकिन हवा उसे उससे दूर उड़ा देती है.

घास में, वह चमकता है.

वह अपना एंटीना उठाता है.

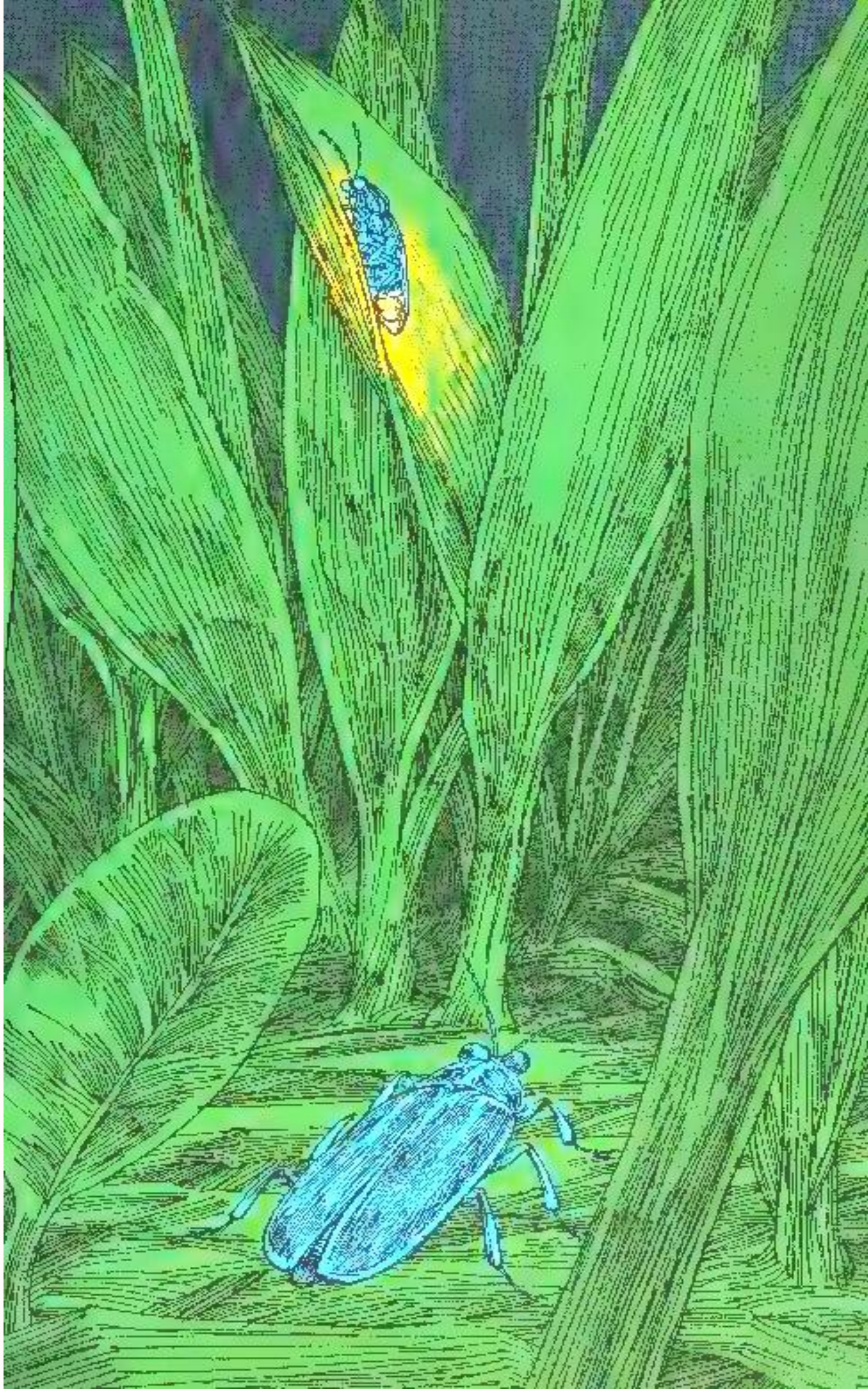
वह स्थिर खड़ा रहता है और देखता है.

मादा वापस चमकती है.

उसकी रोशनी बहुत छोटी है.

लेकिन वह अपना पेट मोड़ती है

ताकि उसकी रोशनी उसकी ओर चमके.



वह मुड़ता है और उसकी

ओर रेंगता है.

वह फिर से चमकता है.

वह उसकी चमक का इंतजार करता है.

वह उसे अपने पास ले जा रही है.

वह उसकी गंध नहीं सूंघता.

वह उसे सुन नहीं पाता.

लेकिन वह उसकी रोशनी देख सकता है.

वह उसकी चमक का पीछा करता है

जब तक वह तने तक नहीं पहुंच जाता.

वह रेंगता है.

वह उसे अपने एंटीना से छूता है.

वह उसे छूती है.

और वे संभोग करते हैं.





बाद में नर उड़ जाता है.

उसे आराम करने के लिए

जगह मिल जाती है.

मैदान में मौजूद सभी जुगनूओं की तरह,

वह भी कुछ सप्ताह

और जीवित रह सकता है.

उसकी साथी घास में ही रहती है.

उसका शरीर अंडों से भरा होता है.



कुछ रातों के बाद,

वह उन्हें

ज़मीन पर रखना शुरू कर देती है.

वह उन्हें घास के तने के नीचे

और काई के बीच,

एक-एक करके रखती है.





जैसे-जैसे प्रत्येक

अंडा विकसित होता है,

वह चमकने लगता है.

हरेक से एक जुगनू बनता है.

कुछ हफ़्तों में,

छोटा जुगनू अंडों से निकलता है.

यह तुरंत भूमिगत हो जाता है.

वहाँ वो चमकता रहेगा और

दो साल तक बढ़ता रहेगा

जब तक कि वो

जुगनू न बन जाए.

समाप्त